



NEERAJ®

M.P.S.E.- 12

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

(State and Society in Australia)

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Ved Prakash Sharma*, M.A. (Pol. Science)



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com

Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 280/-

Content

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

(State and Society in Australia)

Question Paper—June-2023 (Solved)	1
Question Paper—December-2022 (Solved)	1
Question Paper—Exam Held in March-2022 (Solved)	1-3
Question Paper—Exam Held in August-2021 (Solved)	1
Question Paper—Exam Held in February-2021 (Solved)	1
Question Paper—December, 2019 (Solved)	1
Question Paper—June, 2019 (Solved)	1
Question Paper—December, 2018 (Solved)	1
Question Paper—June, 2018 (Solved)	1
Question Paper—December, 2017 (Solved)	1
Question Paper—June, 2017 (Solved)	1

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
1.	आस्ट्रेलिया : भूमि और लोग (Australia: Land and People)	1
2.	आदिवासी लोग और यूरोपियन समाज का उपनिवेशीकरण (Aboriginal People and European Settlers' Colonisation)	11
3.	आप्रवासी (Immigrants)	22
4.	पहचान और नागरिकता (Identity and Citizenship)	31
5.	संवैधानिक विकास : एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य (Constitutional Development: A Historical Perspective)	41

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
6.	आस्ट्रेलिया में संघवाद (Federalism in Australia)	51
7.	आस्ट्रेलिया में राजनीतिक दल और दबाव समूह (Political Parties and Pressure Groups in Australia)	59
8.	आस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद (Nationalism in Australia)	70
9.	विकास के लिए कार्यनीतियाँ (Strategies for Development)	77
10.	विकासात्मक कार्यनीतियों का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव (Socio-Economic Impact of Developmental Strategies)	83
11.	विश्व अर्थव्यवस्था में आस्ट्रेलिया (Australia in the World Economy)	90
12.	आदिवासियों पर वर्तमान वाद-विवाद (Current Debates on Aborigines)	97
13.	आप्रवासन और नृजातीयता (Immigration and Ethnicity)	104
14.	आस्ट्रेलिया में बहुसंस्कृतिवाद (Australian Multiculturalism)	117
15.	लिंग और महिला मुद्दे (Gender and Women Issues)	126
16.	आस्ट्रेलिया में भारतीय (Indians in Australia)	137



**Sample Preview
of the
Solved
Sample Question
Papers**

Published by:



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2023

(Solved)

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज
(State and Society in Australia)

M.P.S.E.-12

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रत्येक भाग में से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I

प्रश्न 1. ऑस्ट्रेलियाई पहचान तथा कल्पना (Identity and Imagination) का वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-1, पृष्ठ-6, प्रश्न-4

प्रश्न 2. ऑस्ट्रेलिया उपनिवेश कैसे बना? व्याख्या कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-2, पृष्ठ-11, 'परिचय' तथा पृष्ठ-14, प्रश्न-2

प्रश्न 3. ऑस्ट्रेलिया में प्रवासियों (Immigrants) की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-3, पृष्ठ-25, 'आप्रवासी और ऑस्ट्रेलियाई समाज'

प्रश्न 4. ऑस्ट्रेलिया में नृजातीय तथा नस्लीय भेद का वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-4, पृष्ठ-31, 'परिचय' तथा पृष्ठ-34, 'नृजातीय और नस्लीय अल्पसंख्यकों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा भागीदारी'

प्रश्न 5. ऑस्ट्रेलिया के 1975 के संविधानिक संकट की चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-5, पृष्ठ-41, 'परिचय' तथा पृष्ठ-42, 'सन् 1975 का संवैधानिक संकट'

प्रश्न 6. फ्रेजर (Fraser) तथा हावके (Howke) के शासन के दौरान नया संघवाद क्या है?

संदर्भ—देखें अध्याय-6, पृष्ठ-51, 'परिचय' तथा पृष्ठ-54, 'नवीन संघवाद', पृष्ठ-55, 'हॉक का नवीन संघवाद'

प्रश्न 7. ऑस्ट्रेलिया की बदलती दलीय व्यवस्था पर चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-7, पृष्ठ-64, 'चुनावी प्रणाली और ऑस्ट्रेलियाई दल प्रणाली की बदलती गतिशीलता' तथा पृष्ठ-68, प्रश्न-6

प्रश्न 8. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया की विकास नीति (Development Strategy) की चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-9, पृष्ठ-77, 'द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकास के लिए कार्यनीति'

प्रश्न 9. मूल निवासियों (Aboriginals) के प्रति ऑस्ट्रेलिया की नीति की चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-12, पृष्ठ-97, 'ऐतिहासिक पृष्ठभूमि'

प्रश्न 10. ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं की स्थिति (Status of Women) का वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-15, पृष्ठ-132, प्रश्न-1, पृष्ठ-133, प्रश्न-2 तथा प्रश्न-3



QUESTION PAPER

December – 2022

(Solved)

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज
(State and Society in Australia)

M.P.S.E.-12

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रत्येक भाग में से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I

प्रश्न 1. ऑस्ट्रेलिया की भौगोलिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-1, पृष्ठ-1, 'भौगोलिक रचना'

प्रश्न 2. ऑस्ट्रेलियन समाज में नृजातीय तथा सांस्कृतिक जटिलताओं का वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-2, पृष्ठ-11, 'आदिवासी पारंपरिक समाज', अध्याय-13, पृष्ठ-108, प्रश्न-1

प्रश्न 3. श्वेत (White) ऑस्ट्रेलिया नीति क्या है तथा इसका पतन कैसे हुआ?

संदर्भ—देखें अध्याय-3, पृष्ठ-22, 'श्वेत-ऑस्ट्रेलिया नीति', पृष्ठ-23, 'श्वेत-ऑस्ट्रेलिया नीति का पतन'

प्रश्न 4. कैसे ऑस्ट्रेलिया में अल्पसंख्यक राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं?

संदर्भ—देखें अध्याय-7, पृष्ठ-59, 'परिचय', पृष्ठ-63, 'छोटे दल', 'ऑस्ट्रेलियाई डेमोक्रेटिक पार्टी', पृष्ठ-64, 'ग्रीन्स दल'

प्रश्न 5. ऑस्ट्रेलिया का संविधान कैसे बना? चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-5, पृष्ठ-41, 'संविधान का निर्माण और संवैधानिक सिद्धांत', पृष्ठ-42, 'संवैधानिक संरचना'

भाग-II

प्रश्न 6. ऑस्ट्रेलिया के संघवाद में शक्तियों के विभाजन का वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-6, पृष्ठ-56, प्रश्न-1

प्रश्न 7. ऑस्ट्रेलिया में अंतरसरकारी निकाय (Intergovernmental bodies) तथा नेतृत्व मंच (Leader forum) की भूमिका की चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-6, पृष्ठ-55, 'अन्तरसरकारी संस्थाओं का महत्व', 'ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद', पृष्ठ-56, 'नेताओं का मंच'

प्रश्न 8. ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद के उदय का विश्लेषण कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-8, पृष्ठ-70, 'ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद का उदय'

प्रश्न 9. विश्व अर्थव्यवस्था के साथ ऑस्ट्रेलिया कैसे उभरा? वर्णन कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-11, पृष्ठ-91, 'विश्व अर्थव्यवस्था के साथ ऑस्ट्रेलिया की व्यस्तता', पृष्ठ-92, 'विश्व अर्थव्यवस्था में ऑस्ट्रेलिया की संभावनाएँ'

प्रश्न 10. 'ऑस्ट्रेलिया की आप्रवासन नीतियों ने आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया है।' चर्चा कीजिए।

संदर्भ—देखें अध्याय-13, पृष्ठ-109, प्रश्न-2

Sample Preview of The Chapter

Published by:



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

www.neerajbooks.com

आस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (State and Society in Australia)

आस्ट्रेलिया : भूमि और लोग

(Australia: Land and People)



परिचय

20वीं शताब्दी के मध्य में आस्ट्रेलिया भौगोलिक एवं सांस्कृतिक रचना के दृष्टिकोण से एकीकृत राष्ट्र के रूप में जाना जाता था। यूरोप की भिन्न-भिन्न राष्ट्रीयताओं द्वारा विभाजित एवं समस्याओं से ग्रसित स्वरूप की बजाय यहां एकात्मकता अत्यंत विचित्र दिखाई देती थी। विगत कुछ सालों से यहां भी आबादी की विभिन्नताओं और परिवर्तनशील संरचना की ओर ध्यान आकर्षित होने लगा है। 1788 में आस्ट्रेलिया की उत्पत्ति ब्रिटिश सजायापता बस्ती के रूप में हुई थी। वहां स्वेच्छानुसार बसे हुए बहुत ही कम लोग थे। ये बस्तियां पूर्वी तटीय प्रदेश से शुरू हुईं, लेकिन शीघ्र ही ऊनी उद्योगों की स्थापना से वहां के मूल निवासी तथा उनकी भूमि पर दासता की छाया मंडराने लगी। वर्तमान में मूलवासियों को एक अलग सामाजिक वर्ग माना जा रहा है। 'नीचे की भूमि' माना जाने वाला आस्ट्रेलिया एशिया महाद्वीप के दक्षिण पूर्व में तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है। संसार का यह विशालतम द्वीप और सबसे छोटा महाद्वीप है। आस्ट्रेलिया का भूक्षेत्र 77 लाख 13 हजार 360 वर्ग किलोमीटर है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से आस्ट्रेलिया को 6 प्रान्तों तथा 3 क्षेत्रों में बांटा गया है। ये राज्य हैं न्यू साउथ वेल्स, क्वीन्सलैण्ड, विक्टोरिया, तस्मानिया, दक्षिण आस्ट्रेलिया और पश्चिमी आस्ट्रेलिया। आस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र, उत्तरी क्षेत्र तथा जर्विस खाड़ी क्षेत्र तीन प्रशासकीय क्षेत्र हैं।

इस अध्याय के अन्तर्गत आस्ट्रेलिया की प्रमुख भौगोलिक विशेषताओं, आस्ट्रेलियाई जनसंख्या के प्रमुख लक्षण, आस्ट्रेलियाई समाज की जातीय एवं सांस्कृतिक समस्याओं तथा आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय पहचान की रूपरेखा आदि की चर्चा की गई है।

अध्याय का विहंगावलोकन

भौगोलिक रचना

आस्ट्रेलिया का प्रमुख भूभाग बड़े-बड़े मैदानों से भरा हुआ है, जिसमें प्रत्येक स्थान पर नदियों के कछार भी दिखाई देते हैं। इनमें प्रमुख कछार (Basins) हैं मुरे (Murray), जिप्सलैंड (Gippsland), युक्ला (Eucla), कारपेटेरिया (Carpentaria) तथा लेक आयर (Lake Eyre) आदि। धीरे-धीरे ये कछार भर गए हैं, अब इनमें से कुछ में कोयला तथा तेल के भंडार भी मिल रहे हैं। आस्ट्रेलिया में न तो पर्वत ही हैं, न कोई सक्रिय ज्वालामुखी है और न बड़ी नदियां ही हैं। पहाड़ियों की एक शृंखला देश के पूर्वी तट के साथ-साथ चल रही है, जिसे महान विभाजक शृंखला के नाम से जाना जाता है। ज्यादातर जनसमुदाय देश के पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिम के नीचे तटीय प्रदेशों में बसा हुआ है। संसार का सबसे विशाल प्रवाल क्षेत्र-ग्रेट बैरियर रीफ (Great Barrier Reef) आस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट के साथ-साथ स्थित है। यह प्रवाल क्षेत्र तट के साथ-साथ 2012 किमी की लम्बाई में फैला हुआ है।

2 / NEERAJ : आस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

उत्तरी अमेरिका और यूरोप तो ज्यादातर भूमि को पिछले हिमयुग की देन और इसे लगभग 20 हजार साल पुरानी मानते हैं, लेकिन आस्ट्रेलियाई भूक्षेत्र तो अपनी लाखों सालों की विशेषताएं संजोए हुए है। बहुत लंबा समय होने के कारण आस्ट्रेलिया को 'जीवाष्मीय महाद्वीप' के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन इसकी ज्यादातर आधुनिक विशेषताएं नवीन घटनाक्रमों का ही नतीजा हैं। अनेक बार महासागरीय अतिक्रमण ने भूक्षेत्र को रेत, शंख-सीपियों तथा मिट्टी से ढक दिया है। इसके साथ ही उष्ण और शुष्क जलवायु ने सूखी नदियों और रेत के टीलों का निर्माण किया है। मिट्टी के इसी प्रवाह ने आस्ट्रेलिया को आधुनिक आकार दिया है। ज्यादातर नदियां नमक की झीलों में जाकर समाप्त हो जाती हैं, जो हमेशा सूखी हुई दिखाई देती हैं। कुछ ही नदियां समुद्र तक पहुंचती हैं, जिन्होंने देश के तटवर्ती क्षेत्रों को पर्वत, पठार और घाटियों का स्वरूप प्रदान किया है।

विगत हिम युग में समुद्र जल स्तर वर्तमान से 100 मीटर नीचा था और नदियां उस स्तर तक भूमि की कटाई कर चुकी थीं। लेकिन जब बर्फ पिघलने पर समुद्र का स्तर ऊपर उठा, तो अनेक घाटियां उससे लाभान्वित हो गईं। कुछ घाटियां सिडनी जैसी खुबसूरत बंदरगाह बनीं, तो कुछ नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी से भर गई हैं। आस्ट्रेलिया के निम्न तटीय प्रदेशों की वर्तमान रचना यही है। आस्ट्रेलिया के चारों तरफ एक चौड़ी महाद्वीपीय पट्टी फैली हुई है और उसका ढाल बहुत तीव्र है। सिर्फ न्यू साउथ वेल्स में यह पट्टी बहुत ऊबड़-खाबड़ है।

आस्ट्रेलिया की वर्तमान भूसंरचना अनेक स्वरूपों में बहुत लंबे समय से चली आ रही गतिविधियों का नतीजा है। इसी ने आस्ट्रेलिया में प्राणी विज्ञान और मानवीय प्रक्रियाओं के विभाजन की रूपरेखा का निर्माण किया है। आस्ट्रेलिया को भौतिक भौगोलिक दृष्टिकोण से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है महान पश्चिमी पठार, मध्य-पूर्व के मैदान और पूर्वी उच्च भूमि पट्टी। अंटार्कटिका को छोड़कर जगह-जगह सागर-आप्लावन के फलस्वरूप बने छिछले क्षेत्र भी दिखाई देते हैं। आस्ट्रेलिया को समस्त महाद्वीपों में निम्नतम, मैदानी और शुष्कतम महाद्वीप माना जाता है। इसी से आस्ट्रेलिया की अपनी विशिष्ट भौतिक भौगोलिक रचना का निर्माण हुआ है।

महान पश्चिमी पठार

पश्चिमी पठार आस्ट्रेलिया के भूक्षेत्र के लगभग दो-तिहाई भाग को घेरे हुए है। इसी में इसके ज्यादातर मरुस्थल, खाड़ियां झीलें और खानें भी विद्यमान हैं। पश्चिमी पठार के अनेक क्षेत्रों को अलग-अलग नाम दिए जा चुके हैं, जैसे किबर्ल

(Kimberley), हैमर्सेले (Hamersley), एर्नेम लैण्ड (Arnhem Land), यिलगार्न (Yilgran) आदि। इस पठारीय भूक्षेत्र की प्रमुख विशेषता यहां की रुख सूखी भूमि ही है। यह रुक्षता वायु क्षरण, उच्च तापमान और सूखी प्यासी मिट्टी के जल द्वारा कटाव का नतीजा है। प्राचीन जल जहां एकत्रित होता था, उन्हीं छिछले क्षेत्रों में अब नमक की परतें जम गई हैं। तीव्र हवाओं ने इन परतों को टीलों में परिवर्तित कर दिया है। आस्ट्रेलिया की पुरानी सभ्यता के अनेक अवशेष इसी नमक के टीलों से भरे हुए क्षेत्र में दिखाई देते हैं। इस क्षेत्र के दो-तिहाई भाग में नदियां दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं देतीं। इसी वजह से सतह और धरती के नीचे भी पानी की बहुत कमी है। सिर्फ दक्षिण-पश्चिम में ही छोटी-छोटी स्थायी जल-प्रवाह वाली नदियां हैं। इस विशाल भूभाग के सिर्फ दक्षिण-पश्चिम में ही मानवीय जीवनयापन के लिए उचित जलवायुगत परिस्थितियां दिखाई देती हैं। इस क्षेत्र में मानवीय उपस्थिति को सरल बनाने वाली विशेषता खनिज संपदा है, जिसके खनन के लिए भी खनिकों की बस्तियां बस गई हैं। यहां चांदी, शीसा, जस्ता, सोना, तांबा, लोहा आदि के अयस्क तो अत्यधिक मात्रा में मिल ही जाते हैं साथ ही टिन, मोलीब्डेनम, टिटैनियम, टेंटालम, टंगस्टन और एस्बेस्टॉस के भण्डार भी मौजूद हैं।

मध्य पूर्वी मैदान

यह मैदानी क्षेत्र कार्पेटेरिया खाड़ी से लेकर विशिष्ट-उत्सुत द्रोण (Great Artesian Basin) होते हुए मुरे-डार्लिंग के मैदानों (Murray-Darling Plains) तक फैला हुआ है। इस संपूर्ण क्षेत्र की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 800 फुट से कम ही है और ये क्वीन्सलैण्ड के पश्चिमी और मध्य भागों से न्यू साउथ वेल्स होते हुए उत्तरी क्षेत्र और दक्षिण आस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में फैला हुआ है। इस क्षेत्र में मैक्डोनेल और मसरोव की पहाड़ियों की शृंखलाएं मौजूद हैं। इस क्षेत्र में दरारें पड़ने और सतह के तहदार बनने का काम बहुत पहले ही हो चुका है। इसके बावजूद भी इस क्षेत्र में सीधे-सपाट मैदान ही दिखाई देते हैं। महाद्वीप की भूगर्भीय चट्टानों की रचना कुछ ऐसी हुई है कि ये पूर्व की ओर ऊंची तथा मध्य में कुछ नीची हो गई हैं। इसी वजह से एक विशाल द्रोण बन गया है। ऐयर झील नाम से प्रसिद्ध यह द्रोण संसार का सबसे बड़ा आन्तरिक जल प्रवाह क्षेत्र है। मुरे-डार्लिंग द्रोण दूसरा विशालतम संरचना वाला द्रोण है। तीसरा द्रोण सुदूर उत्तर में है वहां खाड़ी का द्रोण अन्ततः कार्पेटेरिया की खाड़ी में समाहित हो जाता है।

पूर्वी उच्च भूमि

केन्द्रीय आस्ट्रेलिया से पूर्व की ओर बढ़ते हुए भूभाग लगातार एक पठार से दूसरे ऊंचे पठार की तरफ फैला हुआ

दिखाई देता है। 2228 मीटर ऊँचा कॉशियस्जको पर्वत इसका सबसे ऊँचा भाग कहा जाता है। केपयॉर्क से तस्मानिया द्वीप तक फैली ये उच्च भूमि महाविभाजक कड़ी के नाम से जानी जाती है, लेकिन यह भ्रामक है। पूर्वी उच्च भूमि में कहीं-कहीं पठार ने जल द्वारा क्षरण के कारण ऊँची-नीची पहाड़ियों का रूप धारण कर लिया है और इसके पूर्वी किनारे की रचना तीखे कगारों-सी दिखाई देती है। उत्तरी क्वीन्सलैण्ड से लेकर विक्टोरिया की सीमा तक तो इन कगारों की ही एक कड़ी सी बन गई है। इन्हीं कगारों के ऊपर से गिरती हुई नदियाँ आस्ट्रेलिया के सबसे ऊँचे जलप्रपातों का निर्माण करती हैं। भले ही तस्मानिया मुख्य भूमि से अलग द्वीप हो, लेकिन उसकी रचना भी पूर्वी उच्च भूमि वाली विशेषताओं के समान है। इसी वजह से इसे उच्च भूमि का भाग माना जाता है।

जलवायु

लगभग साढ़े पाँच सौ करोड़ वर्ष पहले आस्ट्रेलिया का भूखंड अंटार्कटिका के साथ अपने स्थान से टूटकर उत्तर दिशा की ओर खिसकने लगा था। आस्ट्रेलिया की जलवायु में कई बदलाव हुए हैं, लेकिन किसी भी दृष्टिकोण से यह अक्षांतर नहीं बदला। आस्ट्रेलिया की जलवायु दक्षिण ध्रुव के पास भी उष्ण आर्द्र ही थी। देशांतरीय बदलावों के बाद भी काफी समय तक जलवायु की यही विशेषता बनी रही।

तापमान

इसकी जलवायु इसके अपने स्वरूप भूमध्य रेखा से समीपता और आसपास के महासागरों से प्रभावित होती है। हालांकि संसार के तापमान में अत्यधिक बदलाव होते रहते हैं। देश के उत्तरी भागों में 'उष्णकटिबंधीय मानसूनी तो दक्षिण में समशीतोष्ण सी जलवायु रहती है। देश का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा उष्णकटिबंध में आता है। यहां उष्ण आर्द्र और उष्ण शुष्क दो प्रकार की ऋतुएं होती हैं। देश के दो-तिहाई भाग में रेगिस्तान है। यहां की ज्यादातर जनसंख्या तटीय समशीतोष्ण क्षेत्रों में निवास करती है। देश के समस्त भीतरी स्थानों पर तीव्र गर्म हवाएं चलती हैं। दक्षिणी क्षेत्रों में गर्मियों का तापमान 65 से 75 अंश फारेनहाइट होता है, तो उत्तरी भागों में यह 80 से 85 अंश तक पहुंच जाता है। आस्ट्रेलिया महाद्वीप का सबसे ठंडा महीना जुलाई है। इस महीने में देश के दक्षिणी भागों में 1500 फुट से नीचे स्थानों पर तापमान 45 से 55 अंश के बीच रहता है।

वर्षा

महाद्वीप के 40 प्रतिशत हिस्से में वर्षा का औसत 10 इंच वार्षिक से भी कम रहता है। सिर्फ 9 प्रतिशत भागों में ही 40 इंच से ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यहां पूर्वी हवाएं चलती हैं

और जैसे-जैसे ये हवाएं आंतरिक क्षेत्र की ओर चलती हैं, इनकी आर्द्रता कम होती जाती है। इससे पूर्वी तटीय पहाड़ियों में ही सबसे ज्यादा वर्षा होती है। यहां गर्मी और सर्दी दोनों ही ऋतुओं में वर्षा होती है। यहां वार्षिक वर्षा का औसत लगभग 170 इंच से ऊपर रहता है। दूसरे स्थान पर उत्तर-पश्चिमी तस्मानिया आता है जिसका वार्षिक वर्षा औसत 140 इंच रहता है। जार्विस खाड़ी से कैप यार्क प्रायद्वीप के मध्य के पूर्व तट पर वर्षा का औसत मध्यम रहता है। महाद्वीप के बाकी समस्त हिस्सों में वर्षा का वार्षिक औसत 10 इंच से कम ही रहता है। पूर्वोत्तर क्षेत्रों को छोड़कर शेष देश में वर्षा प्रमुख रूप से उष्णकटिबंधीय एवं दक्षिणात्मक न्यून दबावों पर आश्रित रहती है। प्रमुख रूप से दक्षिणी न्यून दबाव सर्दियों में सक्रिय होकर दक्षिण पश्चिम और दक्षिण आस्ट्रेलिया तथा तस्मानिया के कुछ हिस्सों में वृष्टि लाभ पहुंचाते हैं। यहां अक्टूबर में सबसे ज्यादा वर्षा होती है, लेकिन देश के मध्यम तथा उत्तर-पश्चिम में वर्षा ज्यादा नहीं होती है।

आस्ट्रेलियाई लोग

जनसंख्या नीतियों का प्रादुर्भाव और विकास

आस्ट्रेलिया संसार का सबसे अधिक संस्कृति बहुल देश माना जाता है। इस बहुलता का प्रमुख कारण देश की आब्रजन नीतियां हैं। आस्ट्रेलियाई समाज और जनमानस की परिवर्तित रचनाओं को जानने के लिए इसकी जनसंख्या की संरचना को जानना अत्यंत जरूरी है। प्रमुख रूप से आप्रवासी इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स से ही आए थे। आस्ट्रेलियाई संघ की रचना (1901) के समय भी संयुक्त राज्य में पैदा हुए लोग सभी आप्रवासियों में सबसे अधिक 58 प्रतिशत थे। इनमें से आयरिश 21 प्रतिशत थे। स्वेच्छा से यहां आकर बसने वालों को किसी एक यूरोपीय भाषा में श्रुतलेख की कसौटी पर भी खरा उतरना पड़ता था। इसे 'श्वेत आस्ट्रेलिया नीति' कहा जाता था। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात तो जनसंख्या वृद्धि बहुत ज्यादा हो गई, अतः देश में 'बढ़ो या मिटो' का नारा लगाया गया था। विभिन्न देशों से लोग यहां आकर बसने लगे। 1970 के दशक के प्रारंभ में इस नीति को समाप्त करके आब्रजन कार्यक्रम का स्वरूप बहुत बढ़ा दिया गया। तब से आस्ट्रेलियाई समाज की आबादी की रचना में नाटकीय बदलाव दिखाई देने लगे हैं। वर्ष 2000 में 24 प्रतिशत अर्थात् 4 में से एक आस्ट्रेलियाई नागरिक विदेश में पैदा हुआ था। 1970 के दशक में दक्षिण पूर्व एशिया से हजारों लोग आस्ट्रेलिया में शरणार्थी बनकर आए थे। 1988 में इसी क्षेत्र से आब्रजकों का अनुपात 40

4 / NEERAJ : आस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

प्रतिशत हो गया था। हालांकि आस्ट्रेलिया की ज्यादातर आबादी यूरोपीय मूल में रहने वालों की है। सन 2004 के मध्य में आस्ट्रेलिया की कुल आबादी 2.01 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई थी। जन्म और मृत्यु दर के अंतर से हुई प्राकृतिक बढ़ोतरी 2003-2004 में 1,21,000 थी, तो इसकी तुलना में आब्रजकों की संख्या 1,17,600 रही। माना जा रहा है कि वर्तमान शताब्दी के मध्य तक आस्ट्रेलिया की आबादी 2.6 से 2.7 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

जनसंख्या की विशेषताएँ

जीवन प्रत्याशा दर और जीवन स्तर आस्ट्रेलिया में जन्म के समय महिलाओं की औसत जीवित रहने की उम्र 80 वर्ष है। यह पुरुषों से 6 वर्ष ज्यादा है। महिलाएं अपने जीवन के तीसरे दशक के अंत के पास पहुंचकर ही माता की जिम्मेदारी उठाने लायक होती हैं। 1961 की प्रजनन दर 3.1 प्रति नारी से घटकर 1.75 रह गई है। जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि की दर में कमी से चिंतित सरकार अब महिलाओं को प्रजनन के लिए सहयोग राशि दे रही है। प्रत्येक बच्चे के जन्म पर मां को 3000 आस्ट्रेलियाई डॉलर की सरकारी सहयोग राशि भी दिए जाने की घोषणा की गई है। पुरुष और स्त्री में कोई भेदभाव नहीं है। सभी को समान शिक्षा सुलभ है और वेतनमानों तथा सरकारी व गैर-सरकारी उच्च पदों पर महिलाओं की पहुंच भी निर्बाध ही है।

वृद्धावस्था का प्रसार विगत शताब्दी में जन्म दर तथा मृत्यु दर आदि पर नियंत्रण के कारण जीवित रहने की दर में हुए सुधारों का एक नतीजा जनसंख्या की औसत आयु में बढ़ोतरी है। जीवन स्तर में सुधार के इस प्रयास का स्वागत हुआ है। राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन-1975 (बोरी रिपोर्ट) में इसका प्रमुख रूप से वर्णन करते हुए कहा गया था कि नीति निर्धारण स्तर पर इसका कोई असर नहीं होता, लेकिन आस्ट्रेलिया में जन्म और मृत्यु दरों में लगातार कमी होने से आने वाले कुछ सालों में देश में वृद्धावस्था के तीव्र गति से बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। 1980 के दशक में आब्रजन को वृद्धावस्था प्रसार निरोधन की कारगर नीति के रूप में प्रचारित किया जा रहा था, लेकिन 1990 के दशक में यह साफ हो गया कि ये वृद्धता के प्रभावों का निराकरण करने की बहुत ही अकुशल नीति है। इस विषय पर दोबारा बहस छिड़ गई है तथा कहा जा रहा है कि अपनी युवावस्था को बनाए रखने के लिए आस्ट्रेलिया में उचित जनसंख्या नीतियां अपनाए जाने की जरूरत ही अपेक्षित होती है।

शहरीकरण आस्ट्रेलिया एक शहरीकृत देश है, इसकी 85 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और सिर्फ 15 प्रतिशत ही ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ज्यादातर आबादी नगरों में रहती है, अपितु राष्ट्रीय और प्रान्तीय राजधानियों में तो जन-संकेन्द्रण विशेष रूप से अत्यधिक है। यह प्रवृत्ति अत्यंत पुरानी दिखाई देती है। इसके अनेक कारण भी हैं

1. यूरोपीय बस्तियों के निर्माण के समय से ही ये नगर प्रशासन के केन्द्र रहे हैं।
2. अपनी व्यावसायिक सुविधाओं तथा बड़े बाजारों के आकार के कारण ये कई उद्योगों को आकर्षित करने में भी सफल हुए हैं।
3. ये नगर बड़े बंदरगाह भी हैं और यह विदेशी व्यापार से जुड़ी समृद्धि का अत्यधिक प्रसार है।

आस्ट्रेलियाई अस्मिता (पहचान) और परिकल्पना

आस्ट्रेलियाई नागरिकों की कई प्रकार से पहचान की जा सकती है। कहीं इसका आकार जन-सांस्कृतिक है अथवा फिर नृजातीय, धार्मिक, स्त्री-पुरुष भेदभाव सूचक, वर्ग निर्धारित या विचारधारा आधारित भी है। इस समाज की नृजातीय सांस्कृतिक कठिनाइयों का वर्णन करते समय इन सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखना अत्यंत जरूरी है।

राष्ट्रीय पहचान आस्ट्रेलिया में विविधताओं के मध्य ऐसी कोई राष्ट्रीय पहचान भी है जो यहां के नागरिकों को एकता के सूत्र में बांधे रखती है। समयानुसार अनेक ऐसे संयुक्त प्रयास किए गए हैं, जिन्हें आस्ट्रेलिया की विलक्षणता माना जाता है। लेकिन क्या वे सूत्र मौलिक रूप से आस्ट्रेलियाई हैं अथवा कृत्रिम रूप से राष्ट्र की छवि का निर्माण करने के लिए ही उनकी कल्पना की गई है?

आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय अस्मिता की परिकल्पना निश्चित ही समाज में उत्पन्न सशक्त विचारधाराओं और चिन्तन की ही जननी रही है। इसी परिकल्पना के आधार पर आस्ट्रेलिया के नागरिकों को प्रजाति, धर्म और नैतिकता आधारित चरित्र प्रदान किया गया है, लेकिन देश के इतिहास काल के घटनाक्रम के कारण समाज के विकास की इस प्रक्रिया से समाज के कई वर्ग पूरी तरह से समाज से बाहर हो गए हैं। आज भी प्राचीन दुःसाहसियों का वंशज होना एक शर्मसार कर देने वाली अतीत की यादों को ताजा कर देता है। आज राष्ट्रीय अस्मिता की कौन-सी समस्त छवियां ज्यादा तीव्र हैं? 19वीं शताब्दी में स्वेछित आब्रजकों की शारीरिक मानसिक रचना ने आस्ट्रेलियाई व्यक्तित्व की संकल्पना पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उसे सशक्त, स्वतंत्र, अनुशासित, दृढ़ निश्चयी और जंगल की